Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–233

B.A. (Part–II) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - II

(मध्यकालीन राजस्थानी गद्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जबाव राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सके।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. नीचै लिख्यां सवालां रा पडूत्तर देवो। (सबद सीमा **50** सबद) :

(i) सातळ-सोम किण पातसाह री चाकरी करता हा ?

(ii) रेसांमिये नै किण बात रो विसन हो ?

(iii) जसमा ओडणी कठै सूं आवैं अर किण रै सागै आवै ?

(iv) उमादे-भटियाणी रो रुसणो किण रै कारण हुयो हो ?

(v) अनंतराय सांखळा कितय राजावां ने कैद कर राख्या हा ?

(vi) अंतराय सांख्ला रै मंत्री रो नावं बताओ।

(vii) कहवात कठै राज करतो हो ?

(viii) ऊका जी किण रो भाणजो हो ?

(ix) मध्यकाल री **दो** ख्यातां रा नावं लिखो।

(x) मध्यकाल री **दो** गद्य विधावा रा नावं लिखो ?

खण्ड–ब

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी पांच रा पङूत्तर देवो (सबद सीमा **200** सबद) :

2. नाहरी हिरणी री बात रो सार आपरै सबदां मांय लिखो।

3. मांगळ भाट रो परिचय देवो।

4. सप्रसंग व्याख्या करो–

''मनू देवण देवै नहीं। मनूं तो दान रो विसन छै। हूं तो चारण अर भाट अर ब्राह्मण आवै, तिण नूं नाकारो न करुं अर जो कदास माथो मांगे तो माथो ही देवां। सु माजी साहब थे कहो जिम करां। परधान भाई तो वरजै, देवण न देवै। ताहरां मा कह्यो-बेटा, थारा ओर भाई घोड़ा कपड़ा सीतरां थारै जिकूं हुवै सु उठायं देवो।''

5. ''एक दिन रो समाधान छै। चेजो कर दोने पीछीयां आवै छै। बीच अेक पाणी रो वाहळो छै। सु नाहरी तोडाक मार पार हुई, मृगी जिजकाय अर उभी रही। विचाकै आको पाणी आयो। नाहरी तो अठै ठिकाणै आई, लठै नाहरी रा बचां सांम्हा आया। मृगी रा पण साम्हा आया। मृगी रा बचां मृगी दीठी नहीं। तहां नाहरी सूं कहवण लागु। तै मृगी खाधी। सु तै सूं संग किया, ताहरां सगळो वरजी। जक्ष पण कह्यो हंतो। पण कह्यो न कियो। सुं फल पाया।''

6. ''पातिसाह कहै छै—अैसा ही कोई जमीं बीच है, हमारी तरवार झेलै, हम सूं जुध करै ? ताहरां सातल साम्हो आइ हाथ जोड़ि सलाम की। करिनैं कह्यो हम, अैसी बात कहते हां, सू हरामखोरी लागती है, पिण हजरत कहते है, जू कोई तरवार झेलै नहीं, सूं हम झेला ताहरां पातिसाह कह्यो—साबास सातल।''

7. ''गरब रो आहार करबा वाळौ श्रीनारायण कहावै छै। सो आ बात च्यार वेद गावै छै। फूल की कली तो पांच दिन रहावै। पण फूल ऊघडै जद कै तो खिर पडै, का दूजॉ तोड़ ले जावै। सौ फूल ही की फूलणी परमेसुरजी नै नहीं सुहावै। सो ओ तो मिनख रो गरब कदी रहबा पावै।''

8. ''उको जी कहै—इण अनंतराय रो काळो मूंढो करै नै गधेड़ै चढावो। पछै अणी मैं तांख, बेड़यां, हतकड़यां जड़ावो। भाट मांगळ कहै—ओर तो कुपीत अबार, मती करावो। इण नै ठीकरा मै पाणी पाय नै भूंगडां ते बेगा चुगावों। तरा भूंगड़ा लेबा ने तो आदमी नै मेल्यौ ने आप साराई साथ सूं दरवार आया। चाकर भूंगड़ा लायो जो अनंतराय जी रा मूंठा आगै कीधा। नहीं खाद्या जद तीखी आरां रा लारै चपरका दीधा।''

खण्ड–स

नोट :– नीचै दियोड़ा सवालां मांय सूं किणी **दो** रा पड्ूत्तर देवो। (सबद सीमा **500** सबद) :

9. राजस्थानी वात संग्रह मायं सूं किणी अेक वात री समीक्षा करो।

10. जसमा ओडण री चारित्रिक विसेसतावां री विरोळ कराओ ?

11. भाणेज ऊका जी रां-चरित्र चित्रण उकेरो।

12. मध्यकालीन गद्य री **दो** विधावां माथै सांगोपांग टीप लिखो–

(अ) ख्यात

(ब) बात्

(स) वचनिका

(द) दवावेत